

19. R. 4, 48, 8. in übertr. Bed. so v. a. *fruchtlos, nutzlos, vergeblich* M. 3, 144. 4, 70. 173. 10, 123. 12, 95. 96. Daç. 1, 28. R. 3, 79, 18. 6, 91, 21 (verdrückt निष्फल). 26. BHART. 3, 4. 47. KUMĀRAS. 4, 13. MEGH. 53. PAÑKĀT. 33, 21. 174, 9. BHĀG. P. 4, 8, 32. KULL. zu M. 2, 158. 3, 241. für *das Augurium nutzlos, — bedeutungslos* VARĀH. BRH. S. 83, 26. 28. 87, 27. 94, 50. 62. Davon nom. abstr. °त्वं n. MĀKĀH. 62, 14. निष्फलीकरु *unbelohnt lassen*: न कदाचित्प्रियवचनं निःफलीकृतं मया तद्भूतां पारितोषिकम् MĀKĀH. 82, 8. 89, 23. निष्फलीकृत्य *ausgekernt habend* (वीजा-निः) v. l. für निष्कुलीकृत्य VARĀH. BRH. S. 54, 29. — 2) °ला adj. f. *die Menses nicht mehr habend* AK. 2, 6, 1, 21 nach der Lesart im ÇKDr.; COLEBR. und LOIS. haben st. dessen निष्कला. Auch निष्फली nach ÇABDAR. im ÇKDr. — 3) f. आ *eine Species von Momordica* NIGH. Pr. निष्फल्य (von निष्फल), °लपति *fruchtlos machen* KULL. zu M. 3, 241. 4, 136.

निष्फेन (निस् + फेन) adj. *schaumlos* SUÇR. 1, 174, 6 (निःफेन).

निष्पन्द् und निष्पन्दिन् s. u. निस्प.

निष्पूत s. u. सिव् mit नि.

निःपङ्गु und निःपङ्गता s. u. निःस.

निःषधि (निस् + सं) gaṇa सुषामादि zu P. 8, 3, 98.

निष्पयिन् adj. *wollüstig*: मा नौ मध्वे निष्पयी परा दाः RV. 1, 104, 5. Nach Nir. 3, 16 von निस् + पस (richtiger सप).

निःपम (निस् + सम) P. 8, 3, 88. निःपमम् adv. gaṇa तिष्ठद्वादि zu P. 2, 1, 17. = डःपमम् *zur Unzeit* AK. 3, 5, 14

निष्पैक् oder °पाक् (von सक् mit निस्) adj. *bezwingend, gewaltig* Nir. 3, 10. वृषभो न निष्पाद् RV. 1, 181, 6. अमीर्द्धमेकमेकौ अस्मि निष्पाक्-भौ दा 10, 48, 7.

निःपानन् (निस् + सा) gaṇa सुषामादि zu P. 8, 3, 98.

निःपिध् (von सिध् = साध् mit निस्) f. *Gewährung, Erweisung*: Spende, Gabe: पूर्वोरिष्य निःपिधो मर्त्येषु पुत्रं वसूनि पृथिवी विभर्ति RV. 3, 31, 5. 6, 44, 11. अन्नमतिश्चरति निःपिधं गोः 3, 35, 8. द्दिहि वीरो गृणते वसूनि स गोपतिर्निःपिधो नो जनासः 4, 24, 1. अयुञ्जत ईन्द्र विश्वकृष्टीर्वि-दानासो निःपिधो मर्त्यत्रा 1, 169, 2. Daraus scheint die Form इपिध् ge-
kurzt zu sein (vgl. इष्कृत u. s. w.): प्र वी रघो मनोज्ञवा असन्नेषः पुत इ-
पिधो अनु पूर्वोः RV. 6, 63, 7. — Vgl. पुरु.

निःपिधन् (wie eben) adj. f. °धरी *gewährend, spendend*: निःपिधरी-
न्त घोषधीरुतायो रयिं त ईन्द्र पृथिवी विभर्ति RV. 3, 53, 22. VĀLAKH. 9, 2. — Vgl. पुरु.

निःपूति f. nom. act. von सू mit निस् P. 8, 3, 88.

निःपेध v. l. für निषेध gaṇa सुषामादि zu P. 8, 3, 98.

निस् adv. praep. *hinaus, aus, weg von* (abl.) in Verbindung mit Ver-
balwurzeln. Als selbstständiges Adverb in den folgenden Stellen: त-
नस्त ईर्या मुञ्चामि निष्प्राणं नृतेरिव AV. 6, 18, 3. तासां पापिष्ठा निरि-
नः प्र हिणनः 7, 113, 3. निर्दुर्मण्य ऊर्जा मधुमती वाक् 16, 2, 1. Häufig
in Zusammensetzung mit einem Nomen, wobei die Beziehung der bei-
den Theile zu einander eine zweifache sein kann: 1) निस् wird als
Praposition mit dem von ihm abhängig gedachten Substantivum zu-
sammengesetzt: निर्वीणो *ausserhalb des Waldes*. निर्वण adj. *der sich*
ausserhalb des Waldes befindet. निष्कौशाम्बि adj. *der Kauçāmbi ver-*

lassen hat. — 2) निस् ist Adverb und negirt wie das अ priv. entweder
schlechtweg einen bestimmten Begriff oder die Existenz eines be-
stimmten Begriffes an einem anderen Begriffe: अर्थ *Nutzen, Vortheil*,
निरर्थ *Schaden*; vgl. निरपेता, निरहेक्रिया, 1. निरुच्छास, 1. निरुत्साह,
निर्यूषा. ग्रामिपाशिन् *Fleischspeisen essend*, निरामिया ° keine Fl. essend;
vgl. निरहेकृत, निरकुल, निरुद्धि, निर्भीत; निर्मल *an dem keine Flek-*
ken sind, fleckenlos; diese letzte Art von Zusammensetzung (adj. comp.)
ist die allerhäufigste. Die indischen Lexicographen geben dem Worte
निस् folgende Bedeutungen: प्रातिलोम्य Nir. 1, 3. निश्चय oder निर्णय
AK. 3, 4, 23 (COLEBR. 28), 14. H. an. 7, 13. MED. avj. 66. 80. निषेध oder
प्रतिषेध diess. क्राताद्यर्थ und विशेष H. an. साकत्य und अतीत MED.
avj. 80. Als Auslaut wird sowohl r als auch s angenommen MED. avj.
66. 80. Euphonische Veränderungen des Auslauts VS. 3, 22. 68. P. 8, 3,
41, Sch. Abgeleitet von निस् sind निश्च (?) und निष्ठा.

निस्क्रत s. निःस.

निस्स MBh. 8, 3711 ungenaue Schreibart für निःसंज्ञ.

निस्पात m. = निःसपात ÇABDAR. im ÇKDr.

निस्सर् m. VS. 30, 14. Nach MAHĪH. nom. ag. von सर् mit नि.

निस्सर्ग m. 1) *Leibesentleerung*: निस्सर्गे पायुरिन्द्रियम् MBh. 12, 7954.

— 2) *das Fortgeben, aus-den-Händen-Lassen, Verschenken*: न चाद्येः
कालसंरोधान्निसर्गो ऽस्ति न विक्रयः M. 8, 143. — 3) *Schenkung, Ver-*

leihung, Gnadenerweisung: पितामहनिस्सर्गेण तुष्टा SĀV. 1, 15. देव्या वर-
निस्सर्गेण तस्या भर्ता विनिर्मितः HARIV. 10033. निस्सर्गाद्वक्षणाद्यापि वरूणो
यादसो पतिः । जग्राह वै भृगुं पूर्वमपत्यं सूर्यवर्चसम् ॥ MBh. 13, 4140. —

4) *Schöpfung* H. an. 3, 124. MED. g. 38. प्रज्ञा ° MBh. 6, 3040. 14, 1694.

तस्य ते कीर्तयिष्यामि मनोवैवस्वतस्य वै । निस्सर्गम् HARIV. 543. — 5) *das*

angeborene, ursprüngliche Wesen, Natur, Naturell AK. 1, 1, 38. H.

1376. H. an. MED. निस्सर्गः स हि धीराणां यदापयधिकं दृढाः KATHĀS.

20, 31. निस्सर्गेण वलात्कृतः BHĀG. P. 5, 10, 5. क्रूर ° 7, 10, 29. आश्रमाणां

निस्सर्गाः HARIV. 4138. °भावेन VARĀH. LAGHUG. 2, 12. निस्सर्गेण *von Haus*

aus, von Natur: अयद्येवा वलिनां श्रेष्ठे निस्सर्गेण तपोबलात् HARIV. 7533.

ब्रह्मणानां निस्सर्गेण धर्मनिर्णयवादिनाम् R. GORR. 2, 29, 19. तस्मादाहार-

लेगेन निस्सर्गेण च वानराः । आ योजनशतात्साम्राज्ययामो व्यमामिषम् ॥

4, 38, 34. अस्माकं विदिता दृष्टिर्निस्सर्गेण विद्वरतः 35. निस्सर्गात् dass.:

स्त्रियो हि नाम वल्वेता निस्सर्गादेव पण्डिताः MĀKĀH. 64, 4. ÇĀK. 26, 10.

निस्सर्गतम् dass. HARIV. 7020. SUÇR. 1, 288, 13. ÇĀṆK. zu BRH. ĀR. UP. S.

4. RĀGĀ-TAR. 6, 316. BHĀG. P. 1, 12, 32. Am Anfange eines comp. in der

adv. Bed. ohne Kasuszeichen: रोगो नलिन्या हि निस्सर्गसिद्धः BHART.

1, 78. 3, 91. RAGH. 3, 35. 6, 29. KUMĀRAS. 4, 16. MĀLAV. 28, 23. 31, 7. KA-

THĀS. 19, 28. RĀGĀ-TAR. 1, 232. PRAB. 4, 10. SĀH. D. 78, 7. — Der Form

nach von सर्ज् mit नि, der Bedeutung nach von सर्ज् mit निस्.

निस्सर्गज (नि + ज) adj. *angeboren, von Haus aus bestimmt*, — *da*

seiend: शूद्रस्य दास्यम् M. 8, 414. स्व ° dass.: स्वशरीरात्समुत्कृत्य कवचं

स्वनिस्सर्गजम् MBh. 1, 4408. प्रजापतिनिस्सर्गज *vom Herrn der Geschöpfe*

bei der Geburt verliehen M. 9, 16.

निस्सर्प (von सर्प mit नि); s. नैसर्प.

निस्सर् s. u. निस्सर् am Ende.

निस्सिन्धु m. *Vitex Negundo* (निर्गुण्टी) Lin. ÇABDAR. im ÇKDr. — Vgl.